एमसीएल में हिंदी दिवस तथा राजभाषा पखवाड़ा-2017 का उद्घाटन समारोह सम्पन्न

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय जागृति विहार,में दिनांक 14.09.2017 को एमसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री अनिल कुमार झा की अध्यक्षता में हिंदी दिवस तथा राजभाषा पखवाड़ा-2017 का उद्घाटन समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह में अध्यक्ष महोदय के अलावा एमसीएल के निदेशक(कार्मिक) श्री एल.एन. मिश्रा निदेशक (तकनीकी/ योजना व परियोजना) श्री ओ.पी. सिंह सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। साथ ही जानेमाने स्थानीय साहित्यकार प्रोफेसर के.पी. गुप्त, पूर्व विभागाध्यक्ष(हिंदी) एवं मुख्य वक्ता डॉ.ज्योति मिश्रा,हिंदी प्राध्यापक, जीएम विश्वविद्यालय,संबलपुर, तथा डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक ,हिंदी शिक्षण योजना,भारत सरकार,संबलपुर एवं मुख्यालय के महाप्रबंधक, अधिकारी/ कर्मचारीगण समारोह में उपस्थित हुए।

अध्यक्ष महोदय ने अपने आशीर्वचन में कहा कि हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जो देश को एकता के सूत्र में पिरो कर रख सकता है। अत: बोलचाल के साथ-साथ कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने का प्रयास करें, प्रारंभ में थोड़ी भूल हो सकती है परंतु धीरे-धीरे प्रयास करने से इसमें सुधार हो जाएगा। हमारा देश विभिन्न भाषा-भाषी एवं संस्कृतियों का देश है। भारत अनेकता में एकता का एक मिशाल है, जो कहीं और देखने को नहीं मिलता। अंत में उन्होंने माननीय गृह मंत्री द्वारा जारी संदेश के मुख्य बिन्दु पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'आइए, हिंदी दिवस के इस पावन अवसर पर हम यह प्रतिज्ञा करें कि हम एक साथ मिलकर मन, वचन और कर्म से हिंदी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय एवं सृजनात्मक सहयोग देंगे और हिंदी को उसके सम्मानजनक स्थान पर पहुँचाकर राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगे।'

श्री एल.एन. मिश्रा, निदेशक(कार्मिक) ने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी दिवस या हिंदी पखवाड़ा का हर वर्ष आयोजन हमें खुशी एवं हिंदी में कार्य करने हेतु नई ऊर्जा प्रदान करता है। हमें भाषा संबंधी बहस में न पड़कर राजभाषा हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए ताकि अपने संवैधानिक दायित्व को पूरा कर सकें।

आज हिंदी भाषी राज्यों के साथ-साथ चेन्नई या दक्षिण भारत के राज्यों में कहीं भी हिंदी बोलने/समझने में कष्ट नहीं होता,सभी लोग अच्छी तरह हिंदी बोलते एवं समझते हैं। जहाँ तक व्यापार की बात है, आज वैश्वीकरण एवं औद्योगिकरण के युग में विदेशों में भी हिंदी सीखना आवश्यक हो गया है। विश्व की लाचारी है कि उन्हें हमारी भाषा सीखना पड़ेगा जिससे हमारी भाषा एवं संस्कृति विश्व के कोने-कोने में पहुँचेगा।

श्री ओ.पी. सिंह,निदेशक(तकनीकी/योजना व परियोजना) ने भी राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार पर अपने विचार व्यक्त किए।

शेष जारी पृष्ठ ... 2 पर

इसके पूर्व अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा पुष्पगुच्छ,शॉल एवं श्रीफल से अतिथियों को सम्मानित किया गया। अतिथियों द्वारा मंगलदीप प्रज्जवलन के साथ समारोह आरंभ हुआ। श्री बिष्णु चरण त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्रबंधन प्रशि. संस्थान/राजभाषा/ मानव संसा.विकास) ने अतिथियों/प्रतिभागियों का स्वागत किया। स्वागत भाषण में श्री त्रिपाठी ने हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राजभाषा हिंदी के नीति/ नियमों के पूर्ण कार्यान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने पखवाड़े के दौरान आयोजित होनेवाली विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभागिता करने हेतु अधिकारियों/कर्मचारियों से अनुरोध किया।

इसी प्रकार प्रोफेसर के.पी. गुप्त ने बड़े ही सारगर्भित ढंग से हिंदी भाषा के संदर्भ की अभिव्यंजना की तथा हिंदी भाषा एवं भारतीय मातृभाषा की दशा एवं दिशा पर बड़े ही रोचक ढंग से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदी के उत्तरोत्तर विकास हेतु सरकार द्वारा त्रिभाषी फार्मुला की जगह द्विभाषी फार्मूला लागू किया जाना बेहतर होता। अंत में उन्होंने स्वरचित रूवाइयों की चार पंक्तियॉ पढ़कर प्रसन्नता जाहिर की ।

मुख्य वक्ता डॉ. ज्योति मिश्रा द्वारा हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से आरंभ कर आज के परिदृश्य में हिंदी की महत्ता एवं प्रयोजनमूलकता के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर हिंदी के विकास के बारे में सविस्तार प्रकाश डाला गया, जो काफी सारगर्भित एवं ज्ञानवर्द्धक रहा।

इसी प्रकार डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा ने भाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाषा मनुष्य को परिष्कृत और परिमार्जित करने के साथ-साथ मानव का बौद्धिक विकास करता है। सरकार द्वारा जनता का कार्य पारदर्शी रुप में करने हेतु राजभाषा के रूप में हिंदी को संविधान द्वारा अपनाया गया है।

श्री बी.आर. साहु कलिहारी,सहायक प्रबंधक(सचिवीय/राजभाषा) ने समारोह का संचालन किया तथा अंत में अतिथियों/प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया ।

एल. एन. मिश्रा
निदेशक(कार्मिक)

राजभाषा पखवाड़ा,2017
हिंदी दिवस एवं उद्घाटन समारोह

MCL
राजभाषा पखवाड़ा,2017
दिनांक: 14 से 27 सितम्बर,2017
हिंदी दिवस एवं उद्घाटन समारोह
दिनांक: 14 सितम्बर,2017
जागृति विहार, बुर्ला, संबलपुर